University in News on 11 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 3

लविवि : प्रश्नपत्र तैयार करने का निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लॉकडाउन के बाद सेमेस्टर परीक्षा अपने निर्धारित समय से शुरू कराने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने स्तर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को कॉलेज के प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। इस दौरान उन्होंने कॉलेजों से उनके यहां के सिलेबस तथा पढ़ाई के बारे में जानकारी मांगी। इसके साथ ही उन्होंने कॉलेजों को निर्देश दिया कि जिन शिक्षकों को प्रश्नपत्र तैयार करने हैं वे बना लें। प्रश्नपत्र उन्हें ई-मेल के माध्यम से भेजने हैं या फिर लिफाफे में बंद करके इसका फैसला बाद में किया जाएगा। बैठक के दौरान कॉलेजों की ओर से मिड सेमेस्टर एग्जाम के स्वरूप पर सवाल किया गया। कुलपति ने कहा कि इस संबंध में समिति का गठन किया गया है। यह समिति ही मिड सेमेस्टर के आयोजन का स्वरूप बताएगी।

लखनऊ में लॉकडाउन की वजह से परीक्षा पर संकट मंडरा रहा है। विवि अपनी वार्षिक परीक्षा पहले ही स्थगित कर चुका है। अगले महीने से सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षा की तारीख भी आ जाएगी। विवि समेत सभी कॉलेजों में अभी तक सेमेस्टर प्रणाली के तहत मिड सेमेस्टर के इम्तिहान भी नहीं हो सके हैं। लविवि में परास्नातक स्तर पर 30 और स्नातक स्तर पर हर पेपर में 20 नंबर इंटरनल के आधार पर दिए जाते हैं। इनसे संबंधित कॉलेजों की काफी समस्याएं थीं। इसको लेकर शुक्रवार को कुलपति ने कॉलेज के प्राचार्यों के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक में 151 कॉलेज के प्राचार्य शामिल हुए। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ज्यादातर प्राचार्यों ने उनके यहां 75 से 85 पाठ्यक्रम पूरा होने की बात कही है। दूसरा बड़ा सवाल प्रश्नपत्र मंगाने का है।

यह तय हुआ कि अगर कमेटी का फैसला होगा तो प्रश्नपत्र के लिफाफे शिक्षकों के घरों से गाड़ी भेजकर मंगा लिए जाएंगे। अगर ई-मेल के माध्यम से मंगाने की बात हुई तो फिर कोई संकट नहीं होगा। बहरहाल शिक्षकों को कहा गया कि वह प्रश्नपत्र तैयार कर लें, जिससे कि तय समय में प्रश्नपत्र छपवा लिए जाएं। लविवि की तैयारियां पूरी होने पर लॉकडाउन खुलने के बाद परीक्षा आयोजन में आसानी होगी।

कुलपति ने कॉलेजों के साथ की ऑनलाइन बैठक

कॉलेज शिक्षक भी भेज सकते हैं ई-कंटेंट

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा है कि जिन कॉलेज के शिक्षकों ने ई-कंटेंट तैयार किया है वह विवि के संबंधित विभागाध्यक्ष को भेज सकते हैं। विभागाध्यक्ष अगर ई-कंटेंट से संतुष्ट होगा तो फिर उसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। लविवि की ओर से यह बैठक कॉलेज विकास परिषद की अधिष्ठाता प्रो. मधुरिमा लाल की ओर से आयोजित की गई थी।

प्रो. अरविंद बने डीन एकेडमिक्स

लखनऊ। लविवि ने कार्य परिषद के निर्णय का पालन करते हुए सोमवार को डीन एकेडमिक सेल का गठन कर दिया। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन को इसका डीन बनाया गया है। उनके साथ ही फिजिक्स विभाग के प्रो.एके सिंह और शिक्षा संकाय की डॉ. किरणलता डंगलवाल को एडिशनल डीन की जिम्मेदारी दी गई है।

i-Next Page 4

वीसी का फरमान, तैयार करो पेपर

एलयू वीसी ने कॉलेजों के प्रिंसिपल्स के साथ की ऑनलाइन बैठक

LUCKNOW (10 April inext): डिग्री कॉलेजों के प्रिंसिपल्स के साथ शुक्रवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने ऑनलाइन बैठक की. बैठक के दौरान वीसी ने कहा कि कॉलेजों की तरफ से जिन शिक्षकों को क्वेश्चन पेपर तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है, वे पेपर तैयार कर लें. यूनिवर्सिटी की तरफ से निर्णय लिया जाएगा की क्वेश्चन पेपर ऑनलाइन मंगाया जाए या लिफाफे में.

यूनिवर्सिटी भेजेगी वाहन

वीसी ने कहा कि अगर पेपर लिफाफे से मंगाया जाएगा तो ऐसे में यूनिवर्सिटी अपना वाहन भेजकर संबंधित टीचर से पेपर मंगाएगी. वीसी ने कहा कि जो कॉलेज के टीचर अपना ई कंटेंट यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर अपलोड कराना चाहते है, वह संबंधित विषय के विभागाध्यक्ष के पास अपना मटेरियल भेज दें. उपयुक्त होने पर उसे वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा.

75 फीसद कोर्स पूरा

बैठक के दौरान वीसी को प्रिंसिपल्स ने बताया कि उनके यहां चलाए जा रहे यूजी और पीजी के कोर्सेज में लगभग 75 से 85 फीसदी पाठ्यक्रम पूरा हो गया है.

बना दी है कमेटी

प्रिंसिपल्स ने जब वीसी प्रो. विनय कुमार राय से पूछा कि मिड सेमेस्टर जहां नहीं हुआ है, वहां इसे किस तरह से पूरा कराया जाएगा. इस पर वीसी ने कहा कि इस मामले पर कमेटी बना दी गई है और जल्द उसके निर्णय से भी आप सभी को अवगत करा दिया जाएगा. वीसी ने सभी से आग्रह किया कि वह लोग जिनको प्रश्न पत्र बनाने के लिए दिया गया है, वे प्रश्न पत्र तैयार कर ले.

Dainik Jagran Page 4

लखनऊ विश्वविद्यालय में दो कमेटियों का गठन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विवि प्रशासन ने शैक्षणिक गतिविधियों में व्यापक सुधार लाने के लिए दो कमेटियों का गठन किया है। इनकी जिम्मेदारी के लिए डीन पद सृजित कर शिक्षकों की तैनाती की गई है।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 20 मार्च को आयोजित हुई कार्य परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय को देखते हुए दो समितियां बनी हैं। शोध समिति का डीन जंतु विज्ञान विभाग की प्रो. मोनिषा बनर्जी को बनाया गया है। इसके साथ ही दो एडिशनल डीन डॉ. मानिनी श्रीवास्तव और डॉ. आशुतोष सिंह को बनाया गया है। शैक्षिक समिति का डीन अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अरविंद मोहन को बनाया गया है। उनके सहयोग के लिए दो एडिशनल डीन प्रो. एके सिंह और डॉ. किरनलता डंगवाल को बनाया गया है।

शासन ने पूछा-वर्क फ्रॉम होम में क्या पढ़ाया

लविवि और उससे संबद्ध सभी कॉलेजों में कोविड-19 के चलते वर्क फ्रॉम होम चल रहा है। ऐसे में शासन की तरफ से सभी कॉलेजों से इसकी प्रगति की जानकारी मांगी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय समेत सभी डिग्री कॉलेजों में 18 मार्च से कोरोना वायरस के कारण शिक्षण कार्य बंद है। सभी शिक्षकों को वर्क फ्रॉम का आदेश जारी किया गया है। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. वंदना शर्मा ने सभी विवि के कुलसचिवों एवं कॉलेजों के प्राचार्यों से इस संबंध में जानकारी मांगी है। लविवि हो या फिर एडेड और राजकीय कॉलेज, इनके कुछ शिक्षक ऑनलाइन पढ़ाई से अभी तक कोसों दूर हैं।

HINDUSTAN Page 7

विवि देगा पुलिसकर्मियों को मनोवैज्ञानिक सलाह

लखनऊ। कोरोना वायरस के चलते लम्बी ड्यूटी व तनाव से गुजर रहे 112 के पुलिसकर्मियों को लविवि का मनोविज्ञान विभाग निशुल्क परामर्श देगा। इसके लिए कुलपति प्रो आलोक राय व 112 के एडीजी असीम अरूण के बीच एक समझौता भी हुआ। विवि प्रशासन के अनुसार लॉकडाउन का पालन करा रहे पुलिसकर्मी काफी लम्बी ड्यूटी कर रहे हैं। इससे वह मानसिक अवसाद, खतरे से गुजर रहे हैं।

Pioneer Page 3 and 4

तनाव में चल रहे पुलिसकर्मियों की काउंसिलिंग करेगा लविवि

लखनऊ। कोविड.19 को लेकर लंबी कार्य अवधि के चलते तनाव में चल रहे 112 यूपी के पुलिसकर्मियों को मनोवैज्ञानिक तरीके से काउंसलिंग लखनऊ विश्वविद्यालय करेगा। इस बाबत शुक्रवार को 112 यूपी के एडीजी असीम अरुण व लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने एक सम्झौता पत्र पर हस्ताक्षर किया।

कोविड.19 को लेकर वर्तमान में यूपी पुलिस के काफी कर्मी लंबी कार्य अवधि व्यक्तिगत खतरे को लेकर मानसिक अवसाद से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनको परामर्श के जरिए तनाव से बाहर निकालने का निर्णय 112 यूपी के एडीजी असीम अरुण ने लिया है।

कोविड-19:112 यूपी के एडीजी असीम अरुण और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के बीच करार

इसको लेकर आज हुए अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर के बाद प्रोग्राम की कोआर्डिनेटर के तौर पर डॉ अर्चना शुक्ला को नियुक्ति विश्वविद्यालय के तरफसे की गई है। जबकि शशि शेखर सिंह एसपी 112 यूपी को कोआर्डिनेटर बनाया गया है। अनुबन्ध के तहत लॉकडाउन के दौरान ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों के व्यवहार में होने वाले बदलाव की काउंसलिंग होगी। इसके बाद पुलिस कर्मियों को उलझन और समस्याओं का समाधान भी एलयू की तरफसे बताया जाएगा। साथ ही परिवार के साथ समय व्यतीत न कर पाने की वजह से पुलिस कर्मियों के परिवार और ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों में बढ़ रहे आपसी तनाव को कैसे सभांलना है। उसका समाधान भी पुलिस कर्मियों को बताया जाएगा। इसके अलावा वे कैसे ड्यूटी करते समय किन किन बातों का ध्यान रखे यह भी बताया जाएगा। साथ ही खान पान पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसमें मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर मधुरिमा प्रधान ने भी अपना पूर्ण सहयोग देने को कहा है।

ऑनलाइन बैठक में 151 कालेजों के प्राचार्यों ने साझा कीं जानकारी

क्वेश्चन पेपर तैयार करें शिक्षकः एलयू वीसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लॉक डाउन के चलते बंद चल रही डिग्री कालेजों को प्राचार्यों के साथ शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने ऑनलाइन बैठक की 151 स्कूलों के प्राचार्य व प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान परीक्षाओं के आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति कहा कि कॉलेजों की तरफ से जिन शिक्षकों को क्वेश्चन पेपर तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है, वे क्वेश्चन पेपर तैयार कर लें। आगे विश्वविद्यालय की तरफसे निर्णय लिया जाएगा की क्वेश्चन पेपर ऑनलाइन मंगाया जाए या लिफाफे में।

ऑनलाइन बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी कालेजों के प्राचार्य को लाक डाउन के दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर किए गए कार्यों से सभी को अवगत कराया।साथसाथ उन्होंने प्राचार्यों से उनके यहां संचालित हो रहे पाठ्यक्रमों के पूर्णता के बारे में जानकारी प्राप्त की। लगभग सभी ने बताया कि स्नातक व परास्नातक स्तर पर लगभग 75 से 85 फीसदी पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया गया है। प्राचार्यों द्वारा पूछे जाने पर कि मिड.सेमेस्टर जहां पर नहीं हुआ हैए वहां पर कैसे संपन्न कराया जाए। इस पर कुलपति ने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय स्तर पर एक कमेटी गठित कर दी गई है जिसका निर्णय आने पर आपको अवगत करा दिया जाएगा। कुलपति ने सभी से आग्रह किया कि वह लोग जिनको प्रश्न पत्र बनाने के लिए दिया गया हैए वे प्रश्न पत्र तैयार कर ले। इस संबंध में जब कमेटी का निर्णय आएगा कि प्रश्न पत्र ई.मेल से मंगा लिया जाए अथवा लिफाफे से मंगाया जाय। यदि इस पर कमेटी का यह निर्णय होगा कि लिफाफे से मंगाया जाय तो विश्वविद्यालय अपना वाहन भेज कर संबंधित शिक्षक से प्रश्न पत्र प्राप्त कर लेगा। इसी के साथ कुलपति ने कहा कि जो भी कालेज के शिक्षक अपना ई कंटेंट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कराना चाहते हैंए वह संबंधित विषय के विभागाध्यक्ष के पास अपना मटेरियल भेज दें। अगर विभागाध्यक्ष को उपयुक्त लगा तो हम उस शिक्षक के नाम और कॉलेज के नाम के साथ उसके कंटेंट को लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर देंगे।

शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार के लिए लिए एलयू ने गठित कीं दो कमेटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपने शैक्षणिक गतिविधियों में व्यापक सुधार लाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने दो कमेटियों का गठन किया है। विवि स्तर पर गठित दो समितियों को क्रियाशील रखने के लिए इनकी जिम्मेदारी के लिए डीन पद सृजित कर शिक्षकों की तैनाती की गई है। इसकी जानकारी देते हुए कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 20 मार्च को आयोजित हुई कार्य परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय को देखते हुए दो समितियां बनी हैं। शोध समिति की डीन जंतु विज्ञान विभाग की प्रो मोनिषा बनर्जी को बनाया गया है।इसके साथ ही दो एडिशनल डीन मानिनी श्रीवास्तव और जीव रसायन विज्ञान विभाग की डा आशुतोष सिंह को बनाया गया है। वहीं शैक्षिक समिति का डीन अर्थशास्त्र विभाग के प्रो अरविन्द मोहन को बनाया है और उनके सहयोग के लिए दो एडिशनल डीन के तौर पर भौतिकी विज्ञान विभाग के प्रो एके सिंह और शिक्षाशास्त्र विभाग की डा किरन लता डंगवाल को बनाया गया है।

NBT Page 5

करार | डायल 112 और एलयू के बीच हुआ एग्रिमेंट, काउंसलिंग के जरिए पुलिसकर्मियों का दूर होगा तनाव

ड्यूटी में पुलिसकर्मियों को तनाव रहित रखेगा एलयू

■ एनबीटी, लखनऊ : लॉकडाउन की वजह से पुलिसवाले परिवार से दूर घंटों ड्यूटी कर रहे हैं। उन्हें छुट्टियां भी नहीं मिल रही हैं। ऐसे में वह मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। पुलिसकर्मियों के इसी तनाव को दूर करने का बीड़ा उठाया है एलयू के मनोविज्ञान विभाग ने। विभाग की ओर से पुलिसकर्मियों की काउंसिलिंग की जाएगी।

पुलिसकर्मियों के तनाव पर काम करने के लिए एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और 112 उत्तर प्रदेश के एडीजी असीम अरुण ने शुक्रवार को एग्रिमेंट साइन किया है। मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अर्चना शुक्ला और 112 के एडिशनल एसपी शशि शेखर सिंह को प्रोग्राम की कॉर्डिनेटर बनाया गया है। डॉ. अर्चना ने बताया कि पहले हम एक शॉर्ट विडियो रेकॉर्ड करेंगे, जिसमें उन्हें ड्यूटी पर तनाव को मैनेज करने के बारे में बताया जाएगा। उसमें किसी भी तरह की काउंसिलिंग की जरूरत पड़ने पर एक नंबर दिया जाएगा, जिस पर पुलिसकर्मी कॉल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बाद में हम इसमें वॉलंटियर भी जोड़ेंगे जो पुलिसकर्मियों की काउंसिलिंग करेंगे। ये वॉलंटियर रिसर्च स्कॉलर या स्टूडेंट्स भी हो सकते हैं, क्योंकि प्रदेशभर के लिए बड़ी टीम चाहिए होगी।

'उन्हें फील करवाना है कि वे हीरो हैं'

डॉ. अर्चना ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान घर परिवार से दूर रहने वाले पुलिसकर्मी कई तरह की परेशानियों से जूझते हैं। ऐसे में उन्हें गुस्सा आता है और वो मानसिक तनाव में आ जाते हैं। कई तरह के लोगों के बीच काम करना होता है। हमें उन्हें ये फील करवाना है कि वो हीरो हैं। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग या कॉल के माध्यम से हम उन्हें फील करवाएंगे कि वो हीरो हैं।

लॉकडाउन में कॉलेज तैयार करेंगे यूजी-पीजी के क्वेश्चन पेपर

■ एनबीटी, लखनऊः लॉकडाउन के चलते एलयू और सम्बद्ध कॉलेजों में यूजी-पीजी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। हालांकि, एलयू कुलपति ने सभी कॉलेजों को क्वेश्चन पेपर तैयार करने के लिए कहा है। इस संबंध में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ऑनलाइन बैठक की, जिसमें 151 स्कूलों के प्राचार्य और प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

कुलपति ने बताया कि विवि स्तर पर एक कमिटी बनाई गई है, जो तय करेगी कि क्वेशचन पेपर ऑनलाइन मंगाया जाए या लिफाफे से। इसके साथ कहा कि जो भी कॉलेज के शिक्षक अपना ई-कंटेंट विवि की वेबसाइट पर अपलोड करवाना चाहते हैं, वह हेड के पास अपना मटीरियल भेज दें।

Amrit Vichar Page 2

एलयू ने गठित की एकेडमिक सेल

अमृत विचार लखनऊ

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए चल रहे लॉकडाउन को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने एकेडमिक सेल का गठन कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने आदेश जारी करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से गठित एकेडमिक सेल छात्रों की समस्याओं का समाधान करेगी। इसके साथ ही ये सेल छात्रों की डिग्री और और मार्कशीट से संबंधित मामलों को भी देखेगी। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एकेडमिक सेल के लिए बीते 20 मार्च को विश्वविद्यालय में बैठक आयोजित हुई थी। इस बैठक में तीन विभागों के डीन का नाम चयन किया गया था। जिसमें अर्थशास्त्र विभाग के डीन प्रो. अरविंद मोहन, भौतिक विज्ञान विभाग के डीन प्रो. एके सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग के डीन डॉ. किरन लता डंगवाल को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया तीनों डीन को अपन-अपना चार्ज संभालने के लिए शुक्रवार को कुलपति की ओर से आदेश पत्र जारी किया गया है। एकेडमिक सेल विश्वविद्यालय से संबद्ध अन्य कॉलेजों में होने वाली परीक्षा से संबंधित मामले भी देखेगी।

महाविद्यालय बतायें कि कितने प्रतिशत पूरा हुआ कोर्स

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए चल रहे लॉकडाउन को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्राचार्यों से पूछा कि पाठ्यक्रम कितने प्रतिशत पूरा हो चुका है ? बैठक में शामिल 151 महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने कुलपति को अलग-अलग प्रतिशत में जवाब देते हुए बताया कि स्नातक में 75 प्रतिशत और परास्नातक में 85 प्रतिशत पाठ्क्रम पूरा हो चुकी है। बैठक में कुलपति से प्राचार्यों ने पूछा कि जो मिड सेमेस्टर नहीं पूरा हो सका है उसको कराया जाये। इस पर कुलपति ने जवाब देते हुए कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालय स्तर पर एक कमेटी गठित कर दी गई है, जिसका निर्णय आने पर सभी प्राचार्यों को ईमेल के माध्यम अवगत कराया जायेगा। बैठक में कुलपति ने प्रचार्यों को निर्देशित किया जिन शिक्षकों को प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए लगाया गया है वह समय रहते अपना काम पूरा कर लें, ताकि बाद में कोई समस्या न उत्पन्न होने पाये। कुलपति ने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करते समय सुरक्षा व्यवस्था में बेहद सावधनी बरती जाये। कुलपति ने कहा कि प्रश्नपत्रों की सुरक्षा पर विश्वविद्यालय की कमेटी अपना निर्णय लेगी कि। ये कमेटी सूचना देगी कि प्रश्नपत्र ईमेल के माध्यम से मंगवा लिए जाये या फिर लिफाफे के माध्यम से।